NEW INDIA EDUCATION (NIEd)

लेखांकन एवं अंकेक्षण (Accounting & Auditing)

RAS Mains | Paper 1 | Unit 3 | Section-C

A. लेखांकन — अर्थ, परिभाषा एवं AICPA

लेखांकन एक ऐसी सूचना प्रणाली है जो किसी संगठन की आर्थिक गतिविधियों को पहचानती है, मापती है और संबंधित पक्षों तक पहुँचाती है — ताकि वे सही निर्णय ले सकें।

> **AICPA परिभाषा:** लेखांकन वह कला है जिसमें मौद्रिक लेन-देनों और घटनाओं को सार्थक तरीके से अभिलेखित, वर्गीकृत और सारांशित करके उनके परिणामों की व्याख्या की जाती है। — American Institute of Certified Public Accountants

💡 Accounting क्या है? — रामलाल जी की दुकान

Jaipur का कपड़े का व्यापारी "रामलाल जी" हर रोज़ लिखते हैं: कितना माल आया, कितना बिका, किसे उधार दिया, किससे लेना है। साल के अंत में वो देखते हैं Profit हुआ या Loss। यही Recording → Classifying → Summarizing → Interpreting की process है। यही Accounting है। Rajasthan सरकार भी यही करती है — बस scale बड़ा है।

B. लेखांकन सूचना की गुणात्मक विशेषताएं

लेखांकन से प्राप्त जानकारी तभी उपयोगी होती है जब उसमें ये 6 गुण हों — वरना वो सिर्फ कागज़ पर लिखे अंक हैं:

#	विशेषता	अर्थ	उदाहरण
1	विश्वसनीयता (Reliability)	जानकारी व्यक्तिगत पूर्वाग्रह से मुक्त और सत्य हो।	Balance Sheet में वो ही लिखो जो voucher में है — मन से नहीं।
2	प्रासंगिकता (Relevance)	निर्णय लेने में सहायक हो — समय पर उपलब्ध हो।	Investor को पिछले 5 साल का Profit/Loss data relevant है।
3	बोधगम्यता (Understandability)	स्पष्ट भाषा में हो — उपयोगकर्ता समझ सकें।	Technical jargon की बजाय सरल format — कोई भी पढ़ सके।
4	तुलनीयता (Comparability)	एक company की जानकारी दूसरे से compare हो सके।	Tata और Reliance दोनों same AS follow करें — तब compare होगा।
5	सत्यापनीयता (Verifiability)	अलग experts review करें तो same result आए।	दो अलग Auditors एक Balance Sheet check करें — same conclusion।
6	समयबद्धता (Timeliness)	सही समय पर मिले — देरी से मिली info बेकार।	अगर Annual Report 2 साल बाद आए — investment decision कैसे होगा?

C. उद्देश्य, लाभ एवं सीमाएं

C.1 लेखांकन के उद्देश्य (Objectives)

00 विषय परिचय एवं पाठ्यक्रम

Subject Overview & Syllabus | RAS Mains Accounting & Auditing

A. यह विषय क्या है? — एक सरल परिचय

जैसे हम घर में हर महीने यह लिखते हैं कि कितना पैसा आया, कितना खर्च हुआ और कितना बचा — ठीक वैसे ही हर business, company और सरकार भी अपने पैसों का हिसाब रखती है। इस हिसाब को रखने की पूरी system को Accounting (लेखांकन) कहते हैं।

और यह देखना कि यह हिसाब सही है या गलत, किसी ने गड़बड़ी तो नहीं की — इसे Auditing (अंकेक्षण) कहते हैं।

💡 सबसे आसान उदाहरण

सोचिए — Rajasthan सरकार ने MGNREGA के लिए 1000 करोड़ रुपए दिए। Accounting = यह रिकॉर्ड रखना कि पैसा कहाँ-कहाँ गया। Auditing = CAG (Comptroller and Auditor General) द्वारा यह जाँचना कि पैसा सही जगह लगा या नहीं। यही दोनों मिलकर इस पूरे subject की नींव हैं।

B. RAS Mains में यह विषय कहाँ है?

विवरण	जानकारी
परीक्षा का नाम	Rajasthan State & Subordinate Services — RAS Mains
Paper	Paper 1 (सामान्य अध्ययन एवं सामान्य ज्ञान)
Unit / Section	Unit 3 — Section-C
प्रश्न का प्रकार	Descriptive (वर्णनात्मक) — Short & Long Answer
भाषा	Hindi या English — आप choose कर सकते हैं
Total Chapters	6 Chapters (इस Notes Series में)

याद रखें: इस subject में सिर्फ theory नहीं पूछी जाती — practical examples और Rajasthan से जोड़कर answer लिखने पर extra marks मिलते हैं।

पाठ्यक्रम एक नज़र में (Syllabus at a Glance)

क्र.सं.	अध्याय का नाम	मुख्य विषय-वस्तु
1	लेखांकन का सैद्धांतिक आधार	GAAPs, Accounting Concepts & Conventions
2	लेखांकन मानक	Basic Accounting Standards (AS), Ind AS
3	कंपनी के वित्तीय विवरण	Financial Statements, Analysis Techniques, Cash Flow, Responsibility & Social Accounting
4	कम्प्यूटरीकृत लेखांकन	Features, Software Packages (Tally, SAP आदि)
5	वस्तु एवं सेवा कर (GST)	Meaning, Structure, CGST/SGST/IGST, GST Council
6	अंकेक्षण (Auditing)	Meaning, Objectives, Audit Programme, Social/Performance/Government Audit

C. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम — 6 Chapters

इस Notes Series में कुल 6 Chapters हैं। नीचे हर Chapter का नाम, उसके अंदर के Topics और एक छोटा example दिया गया है ताकि आपको पहले से ही idea हो जाए कि क्या पढ़ने वाले हैं।

Chapter 1 | लेखांकन का सैद्धान्तिक आधार

GAAPs + Basic Accounting Concepts

- ◆ GAAP क्या होते हैं? (Generally Accepted Accounting Principles)
- ◆ Accounting Concepts — Entity, Going Concern, Accrual, Consistency
- ◆ Materiality, Prudence, Matching Concept, Dual Aspect
- ◆ इन Concepts का व्यावहारिक उपयोग

💡 Chapter 1 को समझें — Traffic Rules वाला Example

जैसे Traffic Rules सबके लिए same होते हैं — Jaipur हो या Jodhpur, सभी को Red Light पर रुकना है — वैसे ही GAAPs सभी Accountants के लिए same rules हैं। चाहे कोई छोटी दुकान हो या Tata जैसी बड़ी company — सबको इन्हीं rules को follow करना है। Going Concern का मतलब है: हम यह मान कर चलते हैं कि business अगले कई सालों तक चलता रहेगा — ठीक वैसे जैसे घर बनाते वक्त हम मानते हैं कि हम 20 साल यहाँ रहेंगे।

Chapter 2 | लेखांकन मानक (Accounting Standards)

AS + Ind AS + IFRS

- ◆ Accounting Standards का अर्थ, उद्देश्य और महत्व

- ◆ ICAI द्वारा जारी प्रमुख AS (AS-1 से AS-29 तक के जरूरी मानक)
- ◆ Indian Accounting Standards — Ind AS (IFRS के अनुरूप)
- ◆ IFRS (International Financial Reporting Standards) — परिचय
- ◆ India में AS और Ind AS का फर्क

💡 Chapter 2 को समझें — School Syllabus वाला Example

जैसे CBSE सभी schools के लिए एक जैसा Syllabus बनाती है — ताकि Delhi का student और Jaipur का student एक ही level पर हों — वैसे ही ICAI ने Accounting Standards बनाए हैं। इन Standards को follow करने से सभी companies की Financial Reports एक जैसे format में होती हैं, जिससे compare करना आसान हो जाता है। IFRS वही काम globally करता है — दुनिया के सभी देशों के लिए।

Chapter 3 | कंपनी के वित्तीय विवरण एवं विश्लेषण तकनीकें

Balance Sheet + P&L + Ratio Analysis

- ◆ Balance Sheet — Company की financial position (संरचना)
- ◆ Profit & Loss Account — कमाई और खर्च का हिसाब
- ◆ Equity Statement — शेयरधारकों की equity का विवरण
- ◆ Ratio Analysis — Liquidity, Solvency, Profitability, Activity Ratios
- ◆ Trend Analysis, Common Size Statements, Comparative Statements
- ◆ Fund Flow Analysis

💡 Chapter 3 को समझें — Doctor checkup वाला Example

जैसे Doctor मरीज को देखकर उसकी Report (Blood Test, BP, Sugar) check करता है और बताता है कि शरीर ठीक है या नहीं — वैसे ही Financial Statement Analysis से company की "सेहत" check होती है। Ratio Analysis से पता चलता है: क्या company का कर्ज ज्यादा है? क्या वो समय पर payment कर सकती है? क्या उसे profit हो रहा है? — ये सब Ratios बताते हैं।

Chapter 4 | रोकड़ प्रवाह विवरण + सामाजिक एवं उत्तरदायित्व लेखांकन

Cash Flow Statement + Social Accounting + Responsibility Accounting

- ◆ Cash Flow Statement — अर्थ, उद्देश्य, महत्व
- ◆ Operating Activities, Investing Activities, Financing Activities
- ◆ Social Accounting (सामाजिक लेखांकन) — अवधारणा और उद्देश्य
- ◆ Responsibility Accounting — अर्थ और प्रकार
- ◆ Cost Centre, Profit Centre, Investment Centre

💡 Chapter 4 को समझें — घर का बजट वाला Example

Cash Flow Statement बिल्कुल घर के budget जैसा है: पैसा कहाँ से आया (salary, rent income) = Operating Activities। पैसा कहाँ लगाया (नया fridge खरीदा, plot लिया) = Investing Activities। Loan लिया या चुकाया = Financing Activities। Social Accounting का example: जैसे Tata Steel सिर्फ profit नहीं देखती — वो यह भी बताती है कि उसने society के लिए क्या किया — यही Social Accounting है।

Chapter 5 | कम्प्यूटरीकृत लेखांकन + वस्तु एवं सेवा कर (GST)

Computerised Accounting + Tally + GST

- ◆ Computerised Accounting — अर्थ, विशेषताएँ, लाभ, सीमाएँ
- ◆ प्रमुख Software: Tally Prime, QuickBooks, SAP, Busy
- ◆ Manual vs Computerised Accounting — तुलना
- ◆ GST — अर्थ, उद्देश्य, संरचना
- ◆ CGST, SGST, IGST — क्या है और कब लगता है
- ◆ GST Council, HSN Code, Input Tax Credit (ITC)
- ◆ GST का Accounting पर प्रभाव

💡 Chapter 5 को समझें — दुकानदार वाला Example

पहले एक कपड़े का दुकानदार हाथ से बही-खाता लिखता था। अब वो Tally में entry करता है — 5 सेकंड में Balance Sheet ready। यही Computerised Accounting है। GST का example: Jaipur की एक दुकान से ₹100 की shirt खरीदी — उस पर 12% GST = ₹12 tax। यह tax दुकानदार government को देता है। पहले Rajasthan में VAT था, Karnataka में अलग tax था — GST आने से पूरे India में एक ही tax लागू हो गया — "One Nation One Tax"।

नव भारत निर्माण

Chapter 6 | अंकेक्षण (Auditing) — सम्पूर्ण

Auditing + CAG + Social Audit + Performance Audit

- ◆ Auditing — अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, महत्व
- ◆ Audit Programme (अंकेक्षण कार्यक्रम)
- ◆ Social Audit (सामाजिक अंकेक्षण) — MGNREGA में उपयोग
- ◆ Performance Audit (निष्पादन अंकेक्षण)
- ◆ Efficiency Audit / Value for Money Audit (दक्षता अंकेक्षण)
- ◆ Government Audit — CAG की भूमिका, प्रकार
- ◆ Compliance Audit, Financial Audit, Performance Audit (CAG के अंतर्गत)
- ◆ Internal Audit vs External Audit — अंतर
- ◆ Statutory Audit क्या होता है

💡 Chapter 6 को समझें — Surprise Test वाला Example

जैसे School में Principal कभी-कभी surprise test लेता है यह देखने के लिए कि Teacher पढ़ा रहे हैं या नहीं — वैसे ही Audit होता है: company के accounts की independent जाँच। CAG का example: Rajasthan सरकार ने Roads बनाने के लिए ₹500 करोड़ दिए। CAG हर साल जाँचता है कि वो पैसा सही जगह लगा या नहीं, कहीं corruption तो नहीं हुई — और यह Report Rajasthan विधानसभा में पेश होती है।

D. इन Notes को कैसे पढ़ें? — 5 Simple Tips

1. पहले हर Chapter का example पढ़ें — concept automatically clear हो जाएगी।

2. हर Chapter के अंत में दी गई Key Facts (★ Box) को अलग से note करें — परीक्षा में direct काम आती हैं।

3. Comparison tables (जैसे Internal vs External Audit) को exam में table format में ही लिखें — extra marks मिलते हैं।

4. PYQ Box के questions को practice करें — इनसे exam का pattern समझ में आता है।

5. Answer लिखते वक्त: पहले definition, फिर types/features, फिर Rajasthan का एक example — यही formula है।

★ परीक्षा में अवश्य याद रखें ★

1. Accounting = वित्तीय लेन-देन को record, classify और summarise करना।

2. Auditing = लेखों की स्वतंत्र जाँच — क्या accounts सही और सत्य हैं।

3. GAAPs = सभी Accountants के लिए common rules — जैसे traffic rules।

4. ICAI = Institute of Chartered Accountants of India — India में AS जारी करती है।

5. AS = Accounting Standards — ICAI द्वारा बनाए गए uniform accounting rules।

6. Ind AS = Indian Accounting Standards — IFRS के अनुरूप, listed companies पर लागू।

7. IFRS = International Financial Reporting Standards — global level के accounting rules।

8. CAG = Comptroller and Auditor General — Article 148 से शक्ति — India का सर्वोच्च Auditor।

9. GST = Goods & Services Tax — 1 जुलाई 2017 से लागू — "One Nation One Tax"।

10. CGST = Central GST (केंद्र को), SGST = State GST (राज्य को), IGST = Inter-State पर।

11. Social Audit = जनता खुद सरकारी योजनाओं की जाँच करती है — MGNREGA में अनिवार्य।

12. Performance Audit = सरकारी खर्च की efficiency और effectiveness की जाँच।

13. Tally Prime = India का सबसे popular Computerised Accounting Software।

14. Cash Flow के 3 हिस्से: Operating + Investing + Financing Activities।

15. Responsibility Accounting के 3 Centre: Cost Centre, Profit Centre, Investment Centre।

16. यह Notes Series RAS Mains के लिए है — 6 Chapters, हर concept easy language में।

महत्वपूर्ण कालक्रम — Accounting & Auditing History at a Glance

Year / Act	घटना / विषय
1949	ICAI की स्थापना — India में Accounting Standards की शुरुआत
1956	Companies Act 1956 — Statutory Audit पहली बार अनिवार्य
1971	CAG (D.P.C.S.) Act — CAG की शक्तियाँ कानूनी रूप से तय
1977	AS-1 जारी — India में Accounting Standards की पहली शुरुआत
2005	MGNREGA Act — Social Audit का concept mainstream हुआ
2011	Ind AS का निर्माण शुरू — IFRS convergence की तरफ पहला कदम
2013	Companies Act 2013 — नया Audit Framework, CSR Reporting
2017	GST लागू (1 July 2017) — "One Nation One Tax"
2019	MGNREGA Social Audit Rules — सभी States में अनिवार्य
2020	Tally Prime Launch — Advanced GST-integrated Accounting Software
2024-25	GST Rate Rationalization — GST Council के ongoing reforms

क्या आप
RAS 2026
के लिए सच में तैयार हैं?
RAS PRE MAINS और INTERVIEW
की तैयारी एक जगह पर
RAS FOUNDATION
COURSE 2026
सिर्फ ₹4,999 में सब कुछ!
80% off
Original price
₹25,000
Omkar Sir
RAS EXPERT
824 Video Lectures
Handwritten Notes
271 Practice Tests
Mains Answer Writing
Coupon: 50% SPECIAL DISCOUNT OFFER
ऑफर सीमित समय के लिए!
अभी JOIN करें
www.omkarsir.in

01 लेखांकन का सैद्धान्तिक आधार

Theory Base of Accounting | GAAPs + Concepts + Conventions + Double Entry System

जैसे किसी घर को बनाने के लिए नींव ज़रूरी होती है, वैसे ही लेखांकन की पूरी इमारत कुछ बुनियादी सिद्धांतों (GAAPs) पर टिकी है। इन्हें समझे बिना Balance Sheet या P&L Account समझ में नहीं आएगा। यह Chapter उसी नींव को — पूरे detail में — समझाता है।

📚 अध्याय 01 — लेखांकन का सैद्धान्तिक आधार (GAAPs & Concepts)

A. लेखांकन — अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य

- A.1 लेखांकन क्या है?
- A.2 लेखांकन के लक्ष्य एवं उद्देश्य
- A.3 लेखांकन की प्रमुख शाखाएँ (Branches)

B. बही-खाता बनाम लेखांकन (Book-Keeping vs Accounting)

C. आधारभूत पारिभाषिक शब्दावली (Basic Terminology)

D. दोहरा लेखा प्रणाली (Double Entry System)

- D.1 एकल लेखा बनाम दोहरा लेखा — तुलना
- D.2 खातों का वर्गीकरण (Types of Accounts)
- D.3 लेखांकन समीकरण (Accounting Equation)
- D.4 दोहरा लेखा प्रक्रिया के चरण
- D.5 संयुक्त जर्नल प्रविष्टियाँ (Compound Entries)

E. सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत — GAAPs

F. लेखांकन अवधारणाएँ (Accounting Concepts) — विस्तृत विवेचन

- Concept 1–10: Entity, Money Measurement, Going Concern, Accounting Period, Cost Concept, Dual Aspect, Accrual, Matching, Realisation, Full Disclosure

G. लेखांकन परंपराएँ (Accounting Conventions)

- G.1 एकरूपता (Consistency)
- G.2 महत्वपूर्णता (Materiality)
- G.3 रूढ़िवादिता / सतर्कता (Prudence)

H. अवधारणाएँ बनाम परंपराएँ — तुलनात्मक अध्ययन

I. लेखांकन अवधारणाएँ — त्वरित पुनरावृत्ति तालिका

→ Mains Box | Key Facts | PYQs | Timeline